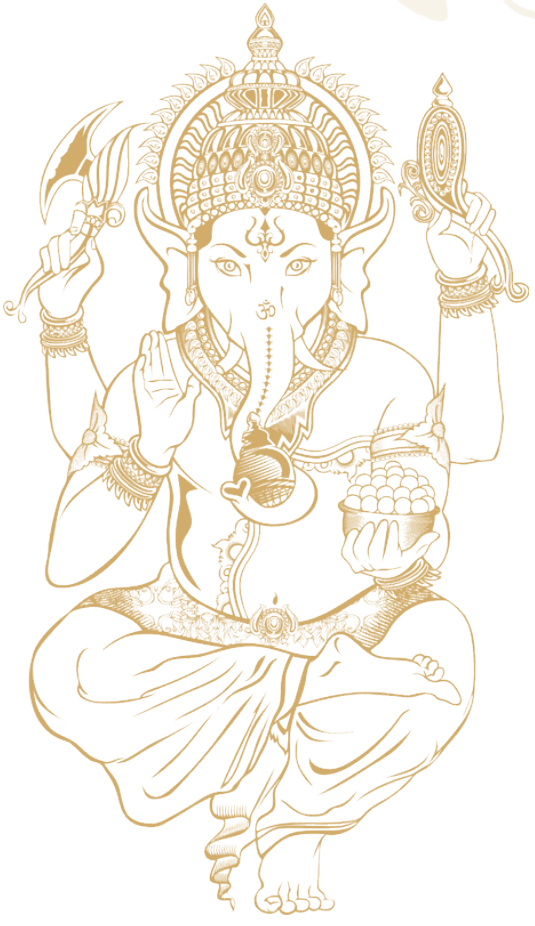

Ruchi Saksena

25 Feb 2003

06:30 PM

Patna

Model: web-freekundliweb

Order No: 121121702

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**25/02/2003**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**18:30:00 घंटे**
इष्ट	30:32:53 घटी
स्थान	**Patna**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:37:00 उत्तर
रेखांश	85:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:40:48 घंटे
वेलान्तर	-00:13:10 घंटे
साम्पातिक काल	05:00:44 घंटे
सूर्योदय	06:16:50 घंटे
सूर्यास्त	17:48:11 घंटे
दिनमान	11:31:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	12:36:25 कुम्भ
लग्न के अंश	22:44:58 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वज्र
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगिता
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	22:44:58	324:14:56	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
सूर्य			कुंभ	12:36:25	01:00:21	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	06:00:01	13:29:58	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
मंगल			धनु	01:24:39	00:38:24	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध			मक	23:58:25	01:32:35	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	सम राशि
गुरु	व		कर्क	16:19:05	00:06:29	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	उच्च राशि
शुक्र			मक	00:14:59	01:10:14	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	मित्र राशि
शनि			वृष	28:14:52	00:00:22	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
राहु	व		वृष	10:09:33	00:02:16	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	10:09:33	00:02:16	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	05:21:02	00:03:27	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	---
नेप			मक	17:42:49	00:02:07	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	25:52:14	00:00:51	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			वृष	22:27:24	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:50

लग्न-चलित

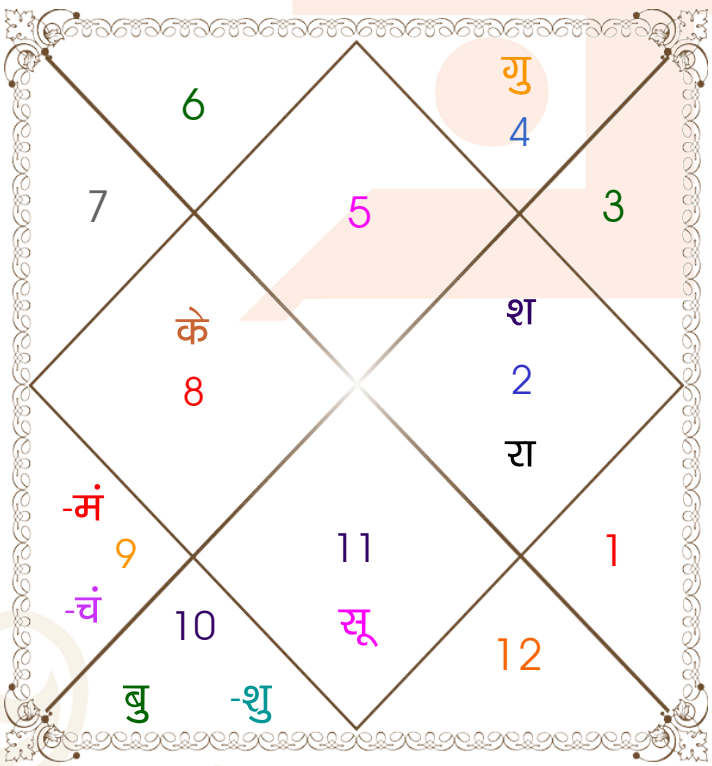

चन्द्र कुंडली

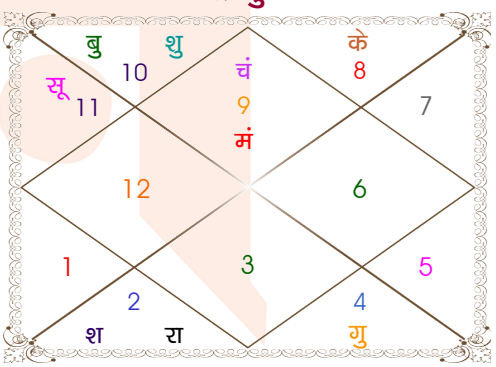

नवमांश कुंडली

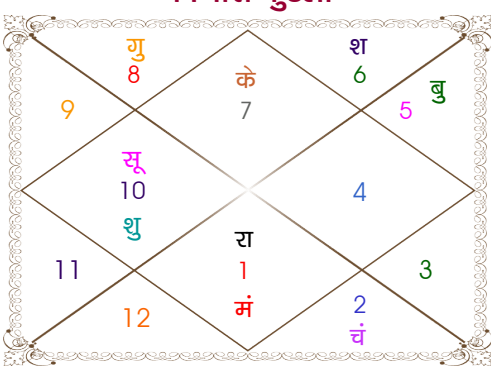

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 10 मास 6 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
25/02/2003		01/01/2007		01/01/2027		01/01/2033		01/01/2043	
01/01/2007		01/01/2027		01/01/2033		01/01/2043		01/01/2050	
	00/00/0000	शुक्र	03/05/2010	सूर्य	21/04/2027	चंद्र	01/11/2033	मंगल	31/05/2043
	00/00/0000	सूर्य	03/05/2011	चंद्र	21/10/2027	मंगल	02/06/2034	राहु	17/06/2044
	00/00/0000	चंद्र	01/01/2013	मंगल	25/02/2028	राहु	02/12/2035	गुरु	24/05/2045
	00/00/0000	मंगल	03/03/2014	राहु	19/01/2029	गुरु	02/04/2037	शनि	03/07/2046
	25/02/2003	राहु	03/03/2017	गुरु	07/11/2029	शनि	02/11/2038	बुध	30/06/2047
राहु	20/12/2003	गुरु	02/11/2019	शनि	20/10/2030	बुध	02/04/2040	केतु	26/11/2047
गुरु	25/11/2004	शनि	01/01/2023	बुध	27/08/2031	केतु	01/11/2040	शुक्र	25/01/2049
शनि	04/01/2006	बुध	01/11/2025	केतु	02/01/2032	शुक्र	03/07/2042	सूर्य	02/06/2049
बुध	01/01/2007	केतु	01/01/2027	शुक्र	01/01/2033	सूर्य	01/01/2043	चंद्र	01/01/2050

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
01/01/2050		02/01/2068		02/01/2084		02/01/2103		03/01/2120	
02/01/2068		02/01/2084		02/01/2103		03/01/2120		00/00/0000	
राहु	13/09/2052	गुरु	19/02/2070	शनि	04/01/2087	बुध	31/05/2105	केतु	31/05/2120
गुरु	07/02/2055	शनि	01/09/2072	बुध	14/09/2089	केतु	28/05/2106	शुक्र	31/07/2121
शनि	14/12/2057	बुध	08/12/2074	केतु	23/10/2090	शुक्र	28/03/2109	सूर्य	06/12/2121
बुध	02/07/2060	केतु	14/11/2075	शुक्र	23/12/2093	सूर्य	02/02/2110	चंद्र	07/07/2122
केतु	21/07/2061	शुक्र	15/07/2078	सूर्य	05/12/2094	चंद्र	04/07/2111	मंगल	03/12/2122
शुक्र	21/07/2064	सूर्य	03/05/2079	चंद्र	05/07/2096	मंगल	30/06/2112	राहु	26/02/2123
सूर्य	14/06/2065	चंद्र	01/09/2080	मंगल	14/08/2097	राहु	18/01/2115		00/00/0000
चंद्र	14/12/2066	मंगल	08/08/2081	राहु	21/06/2100	गुरु	25/04/2117		00/00/0000
मंगल	02/01/2068	राहु	02/01/2084	गुरु	02/01/2103	शनि	03/01/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 10 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगी।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाली हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करती हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगी। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगी तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगी तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगी। आपको एक स्थान से अन्य भीड़ भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करती हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

अपने समझदार पति एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पति एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपने जीवन संगी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगी। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य पुरुष को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपने पति को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहती हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगी। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सकी तो आपको अपनी वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगी तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगी। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति की महिला हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखती तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगी। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सकी तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकती हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।